

देय राशि (लेनदारों) का प्रबन्धन [MANAGEMENT OF PAYABLES (CREDITORS)]

10.23 परिचय (Introduction)

यह व्यवसाय में एक पुरानी कहावत है कि यदि आप अच्छा खरीद सकते हैं तो आप अच्छा बेच भी सकते हैं। आपके लेनदारों और पूर्तिकर्ताओं का प्रबन्धन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना की देनदारों का प्रबन्धन।

व्यापारिक लेनदार, साधारण व्यापार लेन-देन से उत्पन्न होने के कारण वित्त का एक स्वाभाविक स्रोत है। लेकिन लेनदारों की देखभाल महत्वपूर्ण है, आपके द्वारा किया गया धीमा भुगतान एक बुरी भावना उत्पन्न कर सकता है। आपकी आपूर्ति अस्त-व्यस्त हो सकती है और आपकी कम्पनी की बुरी तस्वीर बन सकती है।

लेनदार प्रभावी नकदी प्रबन्धन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और नकदी की स्थिति सुधारने के लिए इनका प्रबन्धन सावधानीपूर्वक होना चाहिए।

10.24 व्यापारिक उधार की लागत और लाभ (Cost and Benefits of Trade Credit)

(a) व्यापारिक उधार प्राप्त करने की लागत (Cost of availing trade credit)—सामान्यतया यह माना जाता है कि व्यापारिक उधार की कोई लागत नहीं होती है। हालाँकि यह निम्नलिखित लागत वहन करता है—

(i) कीमत (Price) : अक्सर कीमत पर छूट होती है परन्तु यदि फर्म व्यापारिक उधार का उपयोग करती है तो उन्हें इसका लाभ नहीं मिलता क्योंकि फर्म छूट का लाभ तभी ले सकती है जब वह तुरन्त भुगतान करे। यह छोड़ी गई छूट, उच्च निहित लागत में परिवर्तित हो सकती है।

(ii) ख्याति का नुकसान (Cost of Goodwill) : यदि उधार का अतिक्रमण किया जाता है, तो पूर्तिकर्ता दोषी ग्राहक के साथ भेदभाव कर सकता है, यदि आपूर्ति कम हो जाए। जहाँ तक ख्याति नुकसान का प्रश्न है, यह शामिल पक्षकारों की तुलनात्मक विपणन शक्ति पर निर्भर करता है।

(iii) प्रबन्धन की लागत (Cost of Managing) : लेनदारों के प्रबन्धन में लेखांकन और प्रशासनिक लागतें शामिल होती हैं जिनका कहीं और इस्तेमाल किया जा सकता है।

(iv) शर्तें (Conditions) : ज्यादातर आपूर्तिकर्ता, उधार की सुविधा देने के लिए, क्रय आदेश की न्यूनतम मात्रा या क्रय आदेश के नियमित होने की शर्तें लगाते हैं।

(b) व्यापारिक उधार प्राप्त न करने की लागत (Cost of not taking trade credit)—दूसरी तरफ, उधार सुविधा का लाभ न उठाने की लागतें निम्नलिखित हैं—

(i) मुद्रास्फीति का असर (Impact of inflation): यदि मुद्रास्फीति कायम रहती है तो उधार प्राप्त करने वालों को उधार दाताओं की तुलना में फायदा है, क्योंकि मुद्रास्फीति के कारण मुद्रा का मूल्य गिरता है और बाद में प्राप्त होने वाली धनराशि का मूल्य उधारदाताओं के लिए कम होता है।

(ii) ब्याज (Interest): व्यापारिक उधार एक तरफ का ब्याज—मुक्त ऋण है, इसलिए इस सुविधा का लाभ न उठाया जाय तो ब्याज लागत लगती है। यह लागत और ज्यादा बढ़ जाती है यदि ब्याज की दरें ऊँची हैं।

(iii) असुविधा (Inconvenience): कभी—कभी इससे आपूर्तिकर्ता को भी असुविधा हो सकती है, यदि आपूर्तिकर्ता आस्थागित भुगतान के लिए तैयार है।

10.25 देय की लागत की गणना (Computation of Cost of Payables)

व्यापारिक लेनदारों का न्यायसंगत रूप से प्रयोग करके, एक फर्म कार्यशील पूँजी में निवेश का बोझ या कार्यशील पूँजी में निवेश की वृद्धि के प्रभाव को कम कर सकती है।

अब प्रश्न उठता है कि छूट न लेने की लागत की गणना कैसे करें।

छूट न लेने की सामान्य लागत को वार्षिक आधार पर, निम्न समीकरण द्वारा निकाला जाता है :

$$\frac{d}{100-d} \times \frac{365 \text{ दिन}}{t}$$

हालांकि उपर्युक्त सूत्र में चक्रवृद्धि प्रभाव (Compounding Effect) प्रभावी नहीं है इसलिए उधार की लागत और ज्यादा होगी।

नकद छूट को खोने की लागत को निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जा सकता है :

$$\left(\frac{100}{100-d} \right)^{\frac{365}{t}} - 1$$

जहाँ, d = छूट का परिमाण, अर्थात् 6 प्रतिशत छूट के लिए $d=6$ होगा।

t = भुगतान अवधि में कमी (दिनों में) प्रारम्भिक छूट प्राप्त करने के लिए आवश्यक या बकाया क्रेडिट दिन - छूट की अवधि।

उदाहरण (Illustration) 20

माना ABC लि. को अपने मुख्य पूर्तिकर्ता द्वारा “2/10 शुद्ध 45” की उधार की पेशकश की गई है। कम्पनी के पास यह विकल्प है कि वह प्रत्येक ₹ 100 के लिए ₹ 10 का भुगतान करे या 35 अतिरिक्त दिनों के लिए ₹ 98 का निवेश करे एवं अन्ततः पूर्तिकर्ता को ₹ 100 प्रति ₹ 100 के लिए भुगतान करे। छूट स्वीकार करने या न करने का निर्णय ₹ 98 को 35 दिनों के लिए निवेश करने की अवसर लागत पर निर्भर करता है। कम्पनी को क्या करना चाहिए?

Solution

यदि कम्पनी नकद छूट का लाभ नहीं उठाती है और धनराशि का भुगतान 45 दिनों के बाद करती है, ब्याज की निहित वार्षिक लागत होगी, लगभग :

$$\left(\frac{100}{100-2}\right)^{\frac{365}{35}} - 1 = 23.5\%$$

अब हम यह मानते हैं कि ABC लि. अतिरिक्त नकद का निवेश कर सकती है और 25 प्रतिशत वार्षिक प्रत्याय प्राप्त कर सकती है और बीजक की राशि ₹ 10,000 है। विभिन्न विकल्प इस प्रकार है :

	छूट को अस्वीकार करना ₹	छूट को स्वीकार करना ₹
पूर्तिकर्ताओं को भुगतान दिन 10 और दिन 45 के बीच ₹ 9,800 निवेश करने की आय	10,000	9,800
$\frac{35}{365} \times 9,800 \times 25\%$	(235)	
शुद्ध लागत	9,765	9,800

सलाह : इसलिए कम्पनी के लिए छूट को अस्वीकार करना बेहतर है, क्योंकि नकदी को बरकरार रखने की आय छूट से होने वाली बचत से ज्यादा है।

□□